

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 12th



aglasem.com

Class : 12th

Subject : Political science

Chapter : 5

Chapter Name : समकालीन दक्षिण एशिया

Q1 दक्षिण एशिया के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

(अ) दक्षिण एशिया के सभी देश लोकतांत्रिक हैं।

(ब) बांग्लादेश और भारत ने नदी-जल बंटवारे पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

(स) इस्लामाबाद में 12 वें सार्क सम्मेलन में SAFTA पर हस्ताक्षर किए गए।

(द) अमेरिका और चीन दक्षिण एशियाई राजनीति में एक प्रभावशाली भूमिका निभाते हैं।

Answer. (अ) दक्षिण एशिया के सभी देश लोकतांत्रिक हैं।

Page : 80 , Block Name : प्रश्नावली

Q2 लोकतांत्रिक अनुभवों के आधार पर बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच कुछ समानताएं और अंतर क्या हैं?

Answer. शुरू से ही पाकिस्तान में जातीय और सांस्कृतिक मतभेद थे। सैन्य, पादरियों और जमींदार अभिजात वर्ग का सामाजिक वर्चस्व था, जिसने कई बार चुनी हुई सरकारों को उखाड़ फेंका और कई बार सैन्य सरकारें स्थापित कीं। पाकिस्तान में सामाजिक अशांति थी और सैन्य समूह समय के साथ शक्तिशाली होते गए। बांग्लादेश और पाकिस्तान दोनों एक सैन्य शासन के अधीन थे, दोनों देशों में लोकतंत्र के लिए संघर्ष था। पाकिस्तान का प्रशासन जनरल अयूब खान के आदेश के तहत शुरू हुआ और लोगों के बीच असंतोष के कारण छोड़ दिया, जिसने सैन्य शासकों को रास्ता दिया। बांग्लादेश में भी संविधान का मसौदा तैयार किया गया था, लेकिन बाद में नेता लेफ्टिनेंट जनरल एच एम इरशाद ने सैन्य शासन कर लिया।

Page : 80 , Block Name : प्रश्नावली

Q3 नेपाल में लोकतंत्र के लिए तीन चुनौतियों की सूची बनाएं।

Answer. नेपाल में लोकतंत्र के लिए तीन चुनौतियां राजशाही ताकतों, लोकतंत्रवादी, माओवादियों के बीच त्रिकोणीय संघर्ष का परिणाम थीं। इन चुनौतियों ने बड़े पैमाने पर, देशव्यापी, लोकतंत्र समर्थक विरोध अप्रैल 2006 में बनाया। उस समय नेपाल में बड़ी सामाजिक उथल-पुथल थी।

Page : 80 , Block Name : प्रश्नावली

Q4 श्रीलंका में जातीय संघर्ष के प्रमुख लोगों का नाम बताइए। आप इस संघर्ष के समाधान की संभावनाओं का आकलन कैसे करते हैं?

Answer. श्रीलंका में जातीय संघर्ष में प्रमुख लोग सिंहला और श्रीलंकाई तमिल थे। इसकी स्वतंत्रता के बाद, श्रीलंका में राजनीति सिंहल समुदाय के हितों पर हावी हो गई थी जो तमिलों के प्रति शत्रु थे, जो भारत से पलायन कर वहां बस गए थे। सिंहली ने श्रीलंका को केवल उनसे संबंधित माना, इसलिए तमिलों को कोई रियायत नहीं दी जानी चाहिए। इसने आतंकवादी तमिल राष्ट्रवाद का निर्माण किया। आंतरिक संघर्ष के बदलाओं के बावजूद श्रीलंका ने लोकतांत्रिक राजनीतिक प्रणाली को बनाए रखा है और आर्थिक विकास और मानव विकास के उच्च स्तर को पंजीकृत किया है। श्रीलंका में अलग-अलग समय में उग्रवाद का उदय हुआ था।

Page : 80 , Block Name : प्रश्नावली

Q5 भारत और पाकिस्तान के बीच हाल के कुछ समझौतों का उल्लेख करें। क्या हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि दोनों देश एक दोस्ताना रिश्ते के लिए अच्छे हैं?

Answer. भारत-पाकिस्तान संबंधों में संघर्ष, असहमति और हिंसा की कहानी प्रतीत होती है, विभिन्न समझौतों के तहत तनाव को प्रबंधित करने और शांति का निर्माण करने के प्रयासों की एक श्रृंखला रही है। वे युद्ध के जोखिम को कम करने के लिए विश्वास निर्माण उपायों को करने के लिए सहमत हुए। दोस्ती का माहौल बनाने के लिए कई सामाजिक कार्यकर्ताओं और प्रमुख हस्तियों ने सहयोग किया है। दोनों राष्ट्रों के नेता शिखर सम्मेलन में बेहतर समझ के लिए मिले हैं। इन दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण बस मार्ग खोले गए हैं, इसे दोनों राष्ट्रों के बीच एक बड़ा सकारात्मक विकास माना गया। पिछले पांच वर्षों में पंजाब के दो हिस्सों के बीच व्यापार में काफी वृद्धि हुई है। वीजा अधिक आसानी से दिया गया है। नहीं, उपर्युक्त समझौतों और पहलों के बावजूद, हम भारत और पाकिस्तान के बीच दोस्ताना संबंधों के बारे में निश्चित नहीं हैं।

Page : 80 , Block Name : प्रश्नावली

Q6 भारत और बांग्लादेश के बीच सहयोग और असहमति के दो मसलो का उल्लेख करें।

Answer. गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी के जल के बंटवारे को लेकर बड़ी असहमति थी और भारत के लिए अवैध आव्रजन असहमति के प्रमुख क्षेत्र हैं। पिछले दस वर्षों के भीतर आर्थिक संबंधों में काफी सुधार हुआ है, बांग्लादेश भी म्यांमार के माध्यम से दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ जुड़ने के लिए भारत की पूर्व की ओर देखी नीति का हिस्सा है। कुल मिलाकर भारत और बांग्लादेश के बीच गंभीर अंतर नहीं हैं। भारत की बांग्लादेश के साथ सहयोग नीति है।

Page : 80 , Block Name : प्रश्नावली

Q7 दक्षिण एशिया में द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित करने वाली बाहरी शक्तियां कैसे हैं? अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए कोई एक उदाहरण लें।

Answer. बाहरी शक्तियां दक्षिण एशिया में द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित करती हैं क्योंकि कोई भी क्षेत्र शून्य में मौजूद नहीं है। यह बाहरी शक्तियां और घटनाओं से प्रभावित होता है, चाहे वह खुद को गैर-क्षेत्रीय शक्तियों से अलग करने की कितनी भी कोशिश करे, चीन और अमेरिका दक्षिण एशियाई राजनीति में प्रमुख देश बने हुए हैं। चीन-भारत संबंधों में पिछले दस वर्षों में काफी सुधार हुआ है, लेकिन चीन की पाकिस्तान के साथ रणनीतिक साझेदारी अमेरिका के लिए एक बड़ी समस्या बनी हुई है। अमेरिका भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ अच्छे संबंध रखता है और भारत-पाकिस्तान संबंधों में मध्यस्थ के रूप में काम करता है। दोनों देशों में आर्थिक सुधारों और उदारवादी आर्थिक नीतियों ने अमेरिकी भागीदारी की गहराई बढ़ा दी है। अमेरिका में बड़ी दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्था बनी हुई है और क्षेत्र की आबादी और बाजारों का विशाल आकार क्षेत्रीय सुरक्षा और शांति के भविष्य में अमेरिका को एक अतिरिक्त हिस्सेदारी देता है। यह अमेरिका के लिए एक लाभकारी विषय है।

Page : 80 , Block Name : प्रश्नावली

Q8 दक्षिण एशियाई देशों के बीच आर्थिक सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए सार्क की भूमिका और सीमाओं पर एक संक्षिप्त नोट लिखें।

Answer. सार्क की भूमिका वास्तव में महत्वपूर्ण है। 'दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन' (SAARC) सहयोग विकसित करने के लिए दक्षिण एशियाई राज्यों के बीच एक क्षेत्रीय पहल है। इसमें आपसी सदभाव और समझ को प्रोत्साहित करने के लिए सात सदस्य हैं। SAARC ने सामूहिक आर्थिक सुरक्षा के लिए पूरे दक्षिण एशिया के लिए मुक्त व्यापार क्षेत्रों को मुक्त करने के लिए SAFTA (दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार समझौता) भी शुरू किया है। सार्क ने अपने सदस्य राज्यों के आर्थिक विकास पर गैर-क्षेत्रीय शक्तियों पर निर्भरता कम करने का अनुमान लगाया है।

सीमाएं- सार्क अपने सदस्य देशों के बीच राजनीतिक मतभेदों के कारण धीरे-धीरे बढ़ रहा है, भारत और पाक के बीच कश्मीर समस्या के रूप में द्विपक्षीय मुद्दों पर बड़े संघर्ष हुए। भारत के कुछ पड़ोसी डरते हैं कि भारत उनके समाजों और राजनीति को प्रभावित करके उन पर हावी होना चाहता है। धन भी अपर्याप्त थे क्योंकि सदस्य देश मुख्य रूप से विकासशील राष्ट्र हैं।

Page : 80 , Block Name : प्रश्नावली

Q9 भारत के पड़ोसी अक्सर सोचते हैं कि भारत सरकार इस क्षेत्र के छोटे देशों के घरेलू मामलों में हावी होने और हस्तक्षेप करने की कोशिश करती है। क्या यह सही धारणा है?

Answer. नहीं, यह धारणा सही नहीं है क्योंकि भारत अपने पड़ोसी को उनकी आकार और शक्तियों से परे, प्रबंधन करने का प्रयास करता है जिसे निम्नलिखित आधारों पर उचित ठहराया जा सकता है। यहां तक कि भारत अक्सर अपने पड़ोसियों द्वारा शोषित महसूस करता है। दूसरी ओर, भारत के पड़ोसियों को डर है कि भारत क्षेत्रीय रूप से उन पर हावी होना चाहता है, लेकिन भारत केंद्र में स्थित है जो भौगोलिक रूप से अन्य देशों के साथ सीमा साझा करता है, जिसे आपसी समझ पर स्वीकार किया जाना चाहिए। भारत अपने पड़ोसी राज्यों में राजनीतिक अस्थिरता से बचता है ताकि बाहरी लोग इस क्षेत्र में प्रभाव का लाभ न उठाएं। भारतीय राजनीति के इतिहास में भारत ने कभी भी किसी भी युद्ध की शुरुआत नहीं की, यह हमेशा दूसरे पक्ष द्वारा किया गया था।

Page : 80 , Block Name : प्रश्नावली

aglasem